Date 1-5-2021
Page

Ajit Kumar singh
Designation - Assistant Professor
College - T.N.A.T.T.C. Harijaon, Aza
Subject - History & civics Method
Paper code - CA - 1 Social Science
Course - B.Ed - 1st year - 2020-22

प्रकरण
पाठ्यक्रम एवं पाठ्यचर्या में अन्तर

व्यवहार में पाठ्यक्रम एवं पाठ्यचर्या दोनों शब्दों का प्रयोग एक दूसरे के स्थान पर किया जाता है किन्तु ये दोनों शब्द समानार्थी न होकर पृथक पृथक अर्थ रखने वाले हैं। इनके अन्तर को हम निम्नलिखित रूप से दर्शा सकते हैं-

1 पाठ्यक्रम में विद्यालय में होने वाली समस्त योजनाबद्ध क्रियाओं को सम्मिलित किया जाता है। जबकि पाठ्यचर्या पाठ्यक्रम का एक भाग है जिसमें किसी विशेष विषय से संबंधित पाठ्य वस्तु को सम्मिलित किया जाता है।

2 पाठ्यक्रम विषय-वस्तु के ज्ञान के साथ-साथ पाठ-सहगामी क्रियाओं एवं

Teacher's Signature.....

Scanned with CamScanner

अन्य प्रवृत्तियों के आयोजन से बालक के चहुँमुखी विकास में सहायक होता है जबकि पाठ्यचर्या बालक के मात्र विषय-वस्तु का ज्ञान अथवा पुस्तकीय ज्ञान के विकास में सहायक होता है।

3 पाठ्यक्रम में शिक्षक की विषय वस्तु, प्रयुक्त विधियाँ, प्रविधियाँ, नवीन तकनीक, अन्य क्रिया-कलाप निहित होते हैं। इस प्रकार सम्पूर्ण विद्यालय का कार्यक्रम ही पाठ्यक्रम कहा जाता है जबकि पाठ्यचर्या में शिक्षण की विषय-वस्तु को निर्धारित करती है।

4 पाठ्यक्रम सम्पूर्ण है जबकि पाठ्यचर्या पाठ्यक्रम का अंश मात्र है।

5 पाठ्यक्रम को क्रिया एवं अनुभव के रूप में समझा जाता है जबकि पाठ्यचर्या अर्जित ज्ञान का संग्रहीत तथ्य है।

Scanned with CamScanner